

नए परीक्षा पैटर्न पर आधारित

RSSB CET 2026

12th Level + Graduation Level

HINDI

समास प्रकरण

Theory + MCQs + PYQs



एकदम ZERO LEVEL से शुरुआत



परिभाषा — जिस समास का उत्तर पद प्रधान हो तथा समस्त पद विशेषण-विशेष्य व उपमान-उपमेय हो तो कर्मधारय समास कहते हैं।

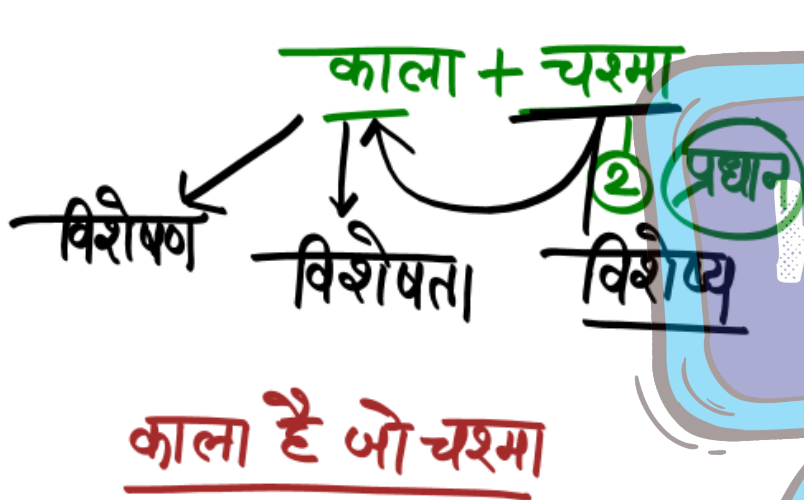
• **विशेषण** → जो शब्द विशेष्य पदों की विशेषता बताते हैं।

• **विशेष्य** → जिनकी पदों की विशेषता बताई जाए। (संज्ञा-सर्वनाम) ✓

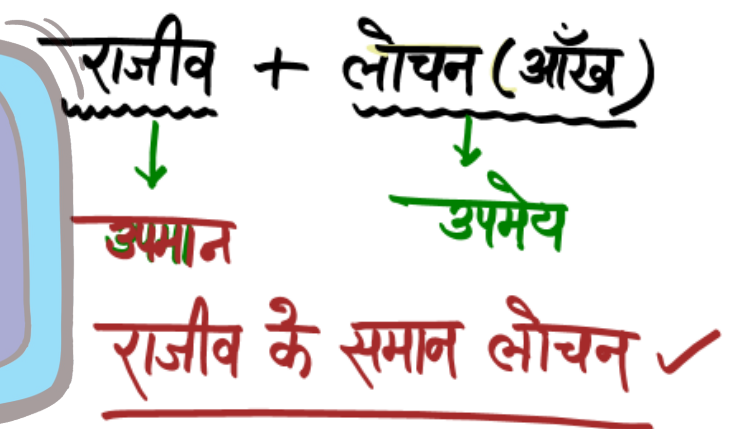
• **उपमान** → जिससे तुलना की जाए।

• **उपमेय** → जिसकी बात की जाए।

• काला चश्मा



• राजीव लौचन



• प्रेक्षीषण + विशीष्य = समस्त पद

— सामासिक विग्रह करते समय 'हजा' का प्रयोग किया जाता है।

आद्या मरा हुआ
अव्ययी २०१

है जो

• महापुरुष — महान् है जो पुरुष ✓

• महात्मा — महान् है जो आत्मा ✓

• महाजन — महान् है जो जन ✓

• उडनखटौला — उड़ता है जो खटौला ✓

• शुभागमन — शुभ है जो आगमन ✓

• वीरबाला — वीर है जो बाला ✓

• भद्रपुरुष — भद्र है जो पुरुष ✓

• कुशाग्रबुद्धि — कुशाग्र है जो बुद्धि ✓

• अल्पबुद्धि ✓

• भद्रबुद्धि ✓

• मंदबुद्धि ✓

• कालीमिर्च ✓

• शिमलामिर्च ✓

अधमरा

आधा + मरा

कर्मधारय = ४०% ✓

— आधा है जो मरा

१. उपमान + उपमेय → उपमान + के समान + उपमेय ✓

२. उपमेय + उपमान → उपमान + रूपी + उपमेय ✓

- घनश्याम → घन + श्याम → घन के समान श्याम ✓
- मुखारविन्द → मुख + अरविन्द → अरविन्द रूपी मुख ✓
- चन्द्रमुख → चन्द्र + मुख → चन्द्र के समान मुख ✓
- मुखचन्द्र → मुख + चन्द्र → चन्द्र रूपी मुख ✓
- देहलता → देह + लता → लता रूपी देह ✓
- नरसिंह → नर + सिंह → सिंह रूपी नर ✓

- विद्याधन ✓
- क्रोधाग्नि ✓
- मीनाक्षी ✓

3. विशेषण + विशेषण

— एक जैसे या अलग-अलग ✓

- लालमलाल
- कालास्याह
- लाल-पीला



साफ-साफ

अव्ययीभाव

⇒ शीत-उष्ण

⇒ भला-बुरा

द्वंद्व = विलोम

4. द्विविगु समास :- = उत्तर पद प्रधान / पूर्व पद अप्रधान ✓

- पद प्रधानता के आधार पर तत्पुरुष समास का भेद ।
- इस समास का पहला/पूर्व पद संख्यावाची होता है।
- द्विविगु समास में दोनों पद मिलकर समूह का निर्माण करते हैं।
- समासिक विग्रह करते समय ‘का समूह व का समाहार’ का प्रयोग किया जाता है।

१० - ① चौराहा = चौ (चार) राहों का समूह/समाहार ✓

② चौमासा = चौ (चार) मासों (महीनों) का समाहार

③ चौमुखा = चौ (चार) मुखों का समाहार

④ नवरत्न = नव (नौ) रत्नों का समूह

⑤ नवरात्र = नव (नौ) रात्रियों का समूह

⑥ सप्ताह = सप्त (सात) अहनों (दिनों) का समूह

⑦ सतसई = सत सई (दोहों) का समूह

• पंचरत्न ✓

• पंचवटी ✓

• द्विगु ✓

• तिराहा ✓

• त्रिवेणी ✓

Comments